along in this House. The newspaper knew everything but the Government refuses to give it to the Members of Parliament. What public duty can I do towards the people of this country if I am not permitted to get the vital information? The Finance Ministry has withheld the information even from the Public Accounts Committee. It is, of course, for them to look into it. I do not want to say anything about that. But through you, Madam, I want to tell the Government again and again, these officers are all along confusing the Government and the image of this Government is being tarnished as if we are doing business on account of Reliance and we are governing at the mercy of Reliance. That image should be wiped out. Only yesterday the honourable Member, Mr. Patel, told me that the Chairman of the Bank of Baroda is alleged to have helped the Reliance Industries. (*Interruption*). It is a very serious matter. Please help the Members of Parliament who are unearthing the collusion and corruption in high places and exposing Reliance who have amassed assets worth Rs. 3,000 crores and who have about Rs. 500 to Rs. 700 crores of free money—they are*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Kulkarni if you don't have any evidence, please don't say that they are purchasing anybody. Please restain yourself. You are a very senior Member...

SHRI A. G. KULKARNI: The Grover Committee Report is also there...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Kulkarni, I am reminding you, you are a very senior Member and that is why I allowed you to associate yourself...

SHRI A. G. KULKARNI: I am happy about it...

THE DEPUTY CHAIRMAN: You are happy all right, but you cannot go on like this. Certain limitations of the House have to be observed. Kindly don't allege things of which you are not sure. You may do it outside, you are free, but not on the floor of the House; I am not going to permit you here.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): Madam, the honourable Member, Mr. Kulkarni, has said that this firm, Reliance Industries, is going to* *These words should be expunged.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have said that he should not mention that and it will be expunged. It means that. Yes, Mr. Fernandes.

Need to declare Goa's Inland Waterways as National Waterways

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam Deputy Chairman, I rise to make a Special Mention in this House about the destruction and damage caused to the bunds and fertile paddy fields along the rivers in Goa due to the heavy movements of barges carrying mineral ores from the mines to Marmagoa harbour for export. The bunds which act as natural barrier between the river and the paddy fields is often breached due to the movement of heavy barges thus causing great damage to private properties and fields due to slinaity factor... (*Interruptions*)...Madam, there is disturbance in the House... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, order, please.... (*Interruptions*)... Whatever you want to discuss, you go to the Lobby and discuss.

SHRI JOHN F. FERNANDES: The export of mineral ore from Goa brings about Rs. 200 crores in foreign exchange to the national exchequer per annum. The Goa Government, due to paucity of funds, cannot maintain the inland waterways. As this export brings precious foreign exchange to the Government, it is the duty of the Central Government to see that these waterways are declared

*Expunged as ordered by the Chair.

as National Waterways with immediate effect and that they are properly maintained, as assured in the past. Thank you, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Shiv Kumar Mishra. Not here. Yes, Mr. Khaleelur Rahman.

Need to create a separate Ministry to look after the affairs of Minorities

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान (आंध्र प्रदेश) : मोहतरमा डिप्टी चैयरमैन साहिब, जैसा कि सब अच्छी तरह जानते हैं कि हिन्दुस्तान एक अजीम जम्हूरी मुल्क है और इस मुल्क में यह काबिले लिहाज तादाद में करोड़ों की तादाद में अकलियतें रहती हैं और बसती हैं और अकलियतों का इतमीनान हमारे मुल्क की रूह है । जम्हूरियत उसी वक्त कायम हो सकती है, जबकि इस मुल्क की अकलियतें इतमीनान से अपनी जिंदगी यहां पर बसर करें ।

हिन्दुस्तान को आजाद हुए कोई 40 साल हो चुके हैं और इस अरसे में अकलियतों के भी मसायल में दिन ब दिन इजाफा होते रहे हैं । जहां तक मजहबी अकलियतों का सवाल है, मुसलमान, ईसाई, सिख, पारसी और जैन ये सब मिल करके यहां अकलियतें कहलाई जाती हैं। इस लिहाज से इनमें तकरीबन 80 फीसदी मुस्लिम अकलियत हैं । जरूरत इस बात की है कि इनके मसायल की मुनासिब और मोजू तरीके से देखभाल की जाय । मर्कजी हुकूमत और रियासती हुकूमतें अकलियतों के फलाह व बहबूद के लिए मुख्तलिफ एलानात करती है और प्रोग्राम बनाती है । चुनाचे हमने यह देखा कि वजीरे-आजम की जानिब से भी अकलियतों के वेलफेयर के लिए 15 नुकाती प्रोग्राम बनाए गए । मगर मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जिस तरीके से इस प्रोग्राम का इंम्प्लीमेंटेशन होना चाहिए, उस तरीके से प्रोग्राम का इंम्प्लीमेंटेशन नहीं हुआ । इसकी वजह क्या है ? इसकी सिर्फ एक ही वजह यह मालूम होती है कि प्रोपर कंसनट्रेशन और प्रोपर फोलो-अप न होने की वजह से इस प्रोग्राम में मुनासिब इंप्लीमैंटेशन नहीं हो रहा है ।

इसके अलावा हम यह देख रहे हैं कि मुस्लिम के जो औकाफी मसायल हैं, हज के मसायल हैं, उनकी तालीमी मसायल है, मआशी मसायल हैं, इन सब के लिए मैं हुकूमत ए-हिंद से यह अपील करता हूं कि एक अलहदा मिनिस्टरी बनाई जाय और यह मिनिस्टरी तमाम माइनोरिटीज के जितने भी अफेयर्स हैं, उन सब की देखभाल करे, तभी मैं समझता हूं कि यह मसायल जो है, हल हो सकते हैं ।

हम यह देखते हैं कि जहां तक औकाफी जायदाद का सवाल है, हमारे मुल्क में करोड़ों और अरबों की मालीयत औकाफी जायदाद है, मगर इन्तिहाई अफसोस की बात है कि उसकी प्रोपर निगरानी न होने की वजह से उससे खातिरख्वाह फायदा नहीं उठाया जा रहा है बल्कि जरूरत इस बात की है कि वक्फ डवलपमेंटल कारपोरेशन कायम किया जाय और इससे जो आमदनी हो सकती है . वह मुसलमानों की फलाहो बेहबूद के लिए, उनकी तालिमी मसाइल, मआशी मसाइल को हल करने के लिए, इस्तेमाल कर सकते हैं । चुनाचे हज के मसाइल के ताल्लुक से भी हमने देखा कि पिछले वर्ष ही इसमें मुख्तलिफ किस्म की इरेगुलरिटीज हुई है जरूरत इस बात की है कि हज के उमूर हैं, औकाफी मसाइल हैं. तालिमी मसाइल हैं—इन सब मसाइल्स की देखभाल के लिए हमारी मरकजी हुकूमत के लेवल पर एक अलहदा मिनिस्ट्री बनायी जाय और वह मिनिस्ट्री एक कैबेनेट वजीर के जिम्मे की जाय । साथ ही उसकी एक मुकतदिर हैसियत हो ताकि वह सही तरीके से उसकी देखभाल करे । वह भी उसी शख्स को दी जाए जो कि इन मसाइल्स से वाकिफ हो और इन मसाइल्स में दिलचस्पी रखता हो ।

चुनाचे मैं इस स्पेशल मेंशन के जरिए आपकी इस हुकूमते हिंद से दरख्वास्त करूंगा कि वह हमदर्दाना गौर करते हुए अकलियतों की तमाम मसाइल्स की देखभाल के लिए एक अलहदा और इंडपेंन्डेट मिनिस्ट्री कायम करे । शुक्रिया ।